अष्टम माला, खंड 44, अंक 20

सोमवार, 12 दिसम्बर, 1988
21 अग्रहायण, 1910 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद
का
हिन्दी संस्करण

बारहवां सत्र

(आठवीं लोक सभा)

PARLIAMENT LIBRARY
No. [illegible] 60
Date [illegible]

सत्यमेव जयते

(खण्ड 44 में अंक 11 से 20 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

मूल्य : चार रुपये

[अंग्रेजी संस्करण में सम्मिलित मूल अंग्रेजी कार्यवाही और हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जायेगी। उनका अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जायेगा।]

विषय-सूची

प्रथम माला, खंड 44, बारहवां सत्र, 1988/1910 (शक)

अंक 20, सोमवार, 12 दिसम्बर, 1988/21 अग्रहायण, 1910 (शक)

विषय	पृष्ठ
निधन सम्बन्धी उल्लेख	1—2
(डा० नगेन्द्र सिंह का निधन)	

लोक सभा

सोमवार, 12 दिसम्बर, 1988/ 21 अग्रहायण, 1910 (शक)

लोक सभा 11.04 बजे, म० पू० पर समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)

निधन सम्बन्धी उल्लेख

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यों, हमें अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश, डा० नगेन्द्र सिंह के निधन का दुखद समाचार मिला है। डा० नगेन्द्र सिंह जुलाई, 1947 से फरवरी, 1948 तक संविधान सभा के सदस्य रहे।

वह 1973 से अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीश थे। 1982 में अपने पहले कार्यकाल की समाप्ति पर उन्हें और 9 वर्ष की अवधि के लिये पुनः चुना गया, जो 1991 में समाप्त होनी थी। वह तीन वर्ष की अवधि के लिये न्यायालय के अध्यक्ष भी रहे जो इस वर्ष मार्च में समाप्त हुई। डा० नगेन्द्र सिंह को 1973 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

डा० नगेन्द्र सिंह 1937 में भारतीय सिविल सेवा में आये और सरकार के कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वह ब्रिटिश अकादमी तथा विश्व कला और विज्ञान अकादमी सहित कई राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय अकादमियों के सदस्य रहे। डा० सिंह ने कई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भारतीय प्रतिनिधिमण्डलों का नेतृत्व किया और वर्ष 1966, 1969 और 1971 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के प्रतिनिधि रहे। वह कई सांस्कृतिक और मानव अधिकार संगठनों से संबद्ध रहे और वह भारतीय राष्ट्रीय कला और संस्कृति न्यास के आजीवन सदस्य थे।

डा० नगेन्द्र सिंह भारत के अति विशिष्ट न्यायविद् बहुप्रज्ञ लेखक, शिक्षाविद, अन्तर्राष्ट्रीय विधि विशेषज्ञ थे। डा० नगेन्द्र सिंह अत्यंत मृदुभाषी और सुसंस्कृत व्यक्ति थे। उन्होंने हमें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान और मान्यता दिलाई। डा० नगेन्द्र सिंह का 74 वर्ष की आयु में हेग में निधन हो गया। हमें अपने इस मित्र के निधन पर गहरा शोक है।

मुझे आशा है कि सभा शोक संतप्त परिवार को संवेदना प्रकट करने में मेरे साथ है।

अब यह सभा दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए थोड़ी देर तक मौन खड़ी होगी।

11.06 म० पू०

तत्पश्चात सदस्यगण थोड़ी देर के लिए मौन खड़े रहें।

अध्यक्ष महोदय : सभा की बैठक कल 11.00 बजे पुनः समवेत होने तक के लिए स्थगित होती है।

11.07 म० पू०

तत्पश्चात लोक सभा मंगलवार, 13 दिसम्बर, 1988/22 अग्रहायण, 1910 (शक) के ग्यारह बजे म० पू० तक के लिए स्थगित हुई।

मुद्रक : विन्ध्यवासिनी पैकेजिन्स, न्यू सीलमपुर, दिल्ली-53

पी० एल० एस० -- 48/44/20/88 (एन०)
185

© 1988 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (छठा संस्करण)
के नियम 379 और 382 के अंतर्गत प्रकाशित और विन्ध्यवासिनी पैकेजिंग्स,
दिल्ली-110053 द्वारा मुद्रित